21.11.24

DATE
PAGE No. 1

कुंजी

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा

विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-13 'काहिरा से गुज़रते हुए')

(यात्रा वृत्तांत) लेखक- सुभाषचंद्र बोस

पुस्तक- नवतरंग-8

पाठ बोध

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- संक्षेप में

क. काहिरा शहर के बारे में बताइए - देश, नदी, पर्यटक स्थल का नाम।

उत्तर- काहिरा आधुनिक मिस्र की राजधानी है। यह एक सुंदर शहर है। यह नील नदी के आँचल में प्राचीन पिरामिडों की छत्रछाया में बसा शहर है। यहाँ की जलवायु सुखद है। सुंदर सड़कें, आकर्षक भवन विदेशी सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पास में ही स्वेज नहर है जो इंजीनियरिंग का अनूठा नमूना है। पुराने संग्रहालय, सिटेडल, सुलतान हसन का मकबरा, नीली मसजिद, अल अजहर विश्वविद्यालय कुछ स्मरणीय दर्शनीय स्थल हैं।

ख. पिरामिड हमें क्या सिखाते हैं?

उत्तर- पिरामिड पत्थर के बने ऊँचे भव्य एवं पिछले 5,000 वर्षों से भी अधिक बने शाश्वत स्मारक हैं। यही वे पत्थर के स्मारक हैं जिन्होंने नेपोलियन जैसे योद्धा की कल्पना को ललकारा था। यह स्मारक मानव की इच्छा शक्ति, अदम्य साहस के सूचक हैं। इन दैत्याकार पिरामिडों के सामने खड़े होकर मनुष्य को शक्ति और आत्मा की अनंतता का आभास होता है। इन पिरामिडों के शिल्पकारों ने स्वयं को पत्थरों में सदा के लिए ज़िंदा कर लिया है।

ग. गाइड ने स्फिंक्स के बारे में क्या बताया?

उत्तर- गाइड ने स्फिंक्स के बारे में बताया कि प्राचीन मिस्रवादी सूर्य देवता के पुजारी थे। अतः स्फिंक्स या तो सूर्य के

Scanned with CamScanner

कुंजी

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-13 'काहिरा से गुज़रते हुए')

सूचक हैं या सूर्य के प्रतिनिधि हैं। स्फिंक्स के सिर पर एक चिड़िया बैठी थी। गाइड ने बताया कि यह स्फिंक्स की आत्मा है और प्रत्येक सुबह यह चिड़िया इनसे मिलने आती है। स्फिंक्स की टूटी नाक के बारे में गाइड ने बताया कि यह नेपोलियन के केनन बाल ने किया है। गाइड ने यह भी बताया कि नेपोलियन का संबंध इन पिरामिडों से अवश्य था।

विस्तार से :-

क. प्राचीन भारत और मिस्र की सभ्यताओं में क्या अंतर था?

उत्तर- मिस्र की तुलना में भारत देश भी अपनी सभ्यता एवं प्राचीन संस्कृति पर गर्व कर सकता है परन्तु यह तो स्वीकार करना पड़ेगा कि मिस्रवासियों की भाँति भारतीय अपनी कला और सभ्यता के नमूनों को सँभाल पाने में अक्षम रहे हैं। भारतीय जीवन के भौतिक पक्ष-कला और कलाकारी को मिस्रवासियों की भाँति विकसित नहीं कर पाए। भारतीयों का ज़ोर सभ्यता की अपेक्षा संस्कृति पर अधिक रहा। भारत ने भौतिक पक्ष की अपेक्षा बौद्धिक और आध्यात्मिक पक्ष पर अधिक बल दिया। भारतीय अपनी अच्छी विचार शक्ति के कारण मानसिक रूप से तो आक्रमण करने वालों से प्रभावित नहीं हुए, परंतु भौतिक रूप में, कुछ समय के लिए गायब से हो गए। धीरे-धीरे भारतीय लोगों ने भारतीय सभ्यता पर आक्रमण करने वालों को अपने आप में मिला लिया जबकि प्राचीन मिस्र के लोग अरब हमलावरों के सामने झुक गए और पूरी तरह समाप्त हो गए।

कुंजी

DATE 21.11.24
PAGE No. 3

कक्षा- आठवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-13 'काहिरा से गुज़रते हुए') (कुंजी)

प्र. सुभाष चंद्र बोस ने किन-किन दर्शनीय स्थलों की सैर की?
उत्तर- सुभाषचंद्र बोस ने आधुनिक मिस्र की राजधानी से गुज़रते हुए सर्वप्रथम प्राचीन एवं आधुनिक काहिरा शहर की सैर की। फिर स्फिंक्स एवं पिरामिडों को देखा। गिजा के पिरामिडों एवं स्फिंक्स को भी देखा फिर बोस ने काहिरा का प्राचीन वस्तुओं का संग्रहालय भी देखा। तूतेखानम के मकबरे से मिली वस्तुएँ देखीं; जिससे वे बहुत प्रभावित हुए। काहिरा शहर के भीतर मस्जिद और मकबरों की सैर की। इसके अतिरिक्त सिटेडल, सुलतान हसन का मकबरा, नीली मस्जिद और अलअजहर विश्वविद्यालय आदि दर्शनीय स्थलों की भी सैर की।

ग. मिस्र के संग्रहालय का सबसे आकर्षक हिस्सा कौन-सा है?
उत्तर- काहिरा के प्राचीन वस्तुओं के संग्रहालय में सबसे आकर्षक हिस्सा वह है जहाँ तूतेनखानम के मकबरे से मिली वस्तुएँ रखी गई हैं। यह मकबरा ऊपरी मिस्र के 'लक्सर' क्षेत्र में स्थित था। लक्सर से मिले खजाने का, जोकिसंग्रहालय में रखा है, वर्णन करना असंभव है और एक-दो बार वहाँ जाकर देख पाना पर्याप्त नहीं है। प्रत्येक कदम पर प्राचीन मिस्रवासियों द्वारा दो हज़ार ईसा पूर्व से भी पुराने समय में अर्जित कला और सभ्यता को देखकर व्यक्ति आश्चर्यचकित रह जाता है। कला के नमूने आज भी ऐसे हैं कि जैसे अभी-अभी बने हैं और उस कलाकारी के साथ-साथ इनको सँभालकर रखने की कला भी प्रभावित करती है, जिसकी वजह से समय का उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

*(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner